>

Title: Need to accord Central University status to Patna University.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सभापति महोदय, भारत सरकार ने बिहार में दो नई सैंट्रल यूनीवर्सिटी की स्वीकृति दी। लेकिन अफसोस है कि उसका नाम उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार रख दिया गया। वहां के लोगों में इससे बड़ा भारी एतराज है। मोतीहारी में जो सैंट्रल यूनीवर्सिटी है, मोहनदास करमचंद गांधी वहीं से महात्मा गांधी हुए थे। लोगों की मांग है कि महात्मा गांधी सैंट्रल यूनीवर्सिटी मोतीहारी में बने। उसी तरह जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान हुआ था, गोतमबुद्ध सैंट्रल यूनीवर्सिटी गया में बने। पटना यूनीवर्सिटी की मांग पुरानी है। देश की तीसरी सबसे पुरानी यूनीवर्सिटी पटना यूनीवर्सिटी मशहूर है। देश में उसका बड़ा भारी नाम है। इलाहाबाद यूनीवर्सिटी और महा पटना यूनीवर्सिटी दोनों की सैंट्रल यूनीवर्सिटी की मांग एक साथ हुई। इलाहाबाद की सैंट्रल यूनीवर्सिटी हो गई लेकिन पटना यूनीवर्सिटी को छोड़ दिया गया। वहां के लोगों में बड़ा भारी रोष है कि भारत सरकार क्यों इस तरह से भेदभाव कर रही है? इलाहाबाद यूनीवर्सिटी सैंट्रल यूनीवर्सिटी है और पटना यूनीवर्सिटी अभी तक सैंट्रल यूनीवर्सिटी नहीं है। राज्य सरकार ने सन् 1987 से लेकर 2005 तक तीन-चार बार इसकी मांग की है, लिखा-पढ़ी की है। वहां के वाइस चांसलर डॉ. सिभाद्री ने प्रधान मंत्री जी को भी लिखा कि पटना यूनीवर्सिटी सैंट्रल यूनीवर्सिटी बने और अन्य वाइस चांसलर ने उस समय के मंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह जी को भी लिखा। इस समय के मंत्री के साथ भी हम लिखा-पढ़ी कर रहे हैं। इसलिए हमारी मांग है कि पटना यूनीवर्सिटी को इलाहाबाद यूनीवर्सिटी की तरह तुंत सैंट्रल यूनीवर्सिटी बनायी जाये।

दूसरा, मोतिहारी में महात्मा गांधी सैंट्रल यूनीवर्सिटी और गया में गौतम बुद्ध सैंट्रल यूनीवर्सिटी बने। लोग इस बारे में मांग कर रहे हैं। भारत सरकार को इस मांग को मानने में कोई एतराज नहीं होना चाहिए। बारहवी पंचयोजना बन रही है, इसलिए हमारी मांग है कि बारहवीं योजना में पटना यूनीवर्सिटी को शामिल किया जाये और उसे केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाये।

MR. CHAIRMAN :

Shri Arjun Ram Meghwal and

Shri Rajendra Agarwal associate with the issue raised by Dr. Raghuvansh Prasad Singh.